सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : काम. अजित केतकर

महासचिव : काम. डी. आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 7/2022

दिनांक : 24/12/2022

मध्य क्षेत्र के समस्त साथियों के नाम

प्रिय साथियों ,

सीजेडआईईए के 11वें महाधिवेशन का फैसला : हमारी एकता ही हमारी ताकत

राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की रक्षा और कार्पोरेट-सांप्रदायिक राजनीति को पराजित करने एकजुटता का आव्हान

सीजेडआईईए के 11वें महाधिवेशन की यह सर्वसम्मत राय है कि हमारी एकता ही हमारी ताकत है, इसलिए सम्मेलन ने मध्यक्षेत्र के बीमा कर्मियों से राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की रक्षा के लिए कार्पोरेट-सांप्रदायिक राजनीति को पराजित करने अपनी एकता को मजबूत बनाने का आव्हान किया। उल्लेखनीय है कि आईईयू इंदौर के साथियों के विगत कई माह के अनथक संघर्ष और संगठन के प्रति अपार स्नेह, प्रतिबद्धता व प्रेम के चलते इंदौर में सीजेडआईईए का 11वां महाधिवेशन अभूतपूर्व उत्साह के साथ 11 से 14 दिसंबर 2022 को इंदौर में संपन्न हुआ। सम्मेलन स्थल सहित मंडल कार्यालय व इंदौर की सड़कें बीमा कर्मियों के संघर्षमयी लाल पताकाओं से सरोबार थी। लाल झंडों से सजी विहंगम रैली और एक शानदार, व्यवस्थित, अनुशासित सम्मेलन ने इंदौर के मीडिया जगत को भी अचंभित कर दिया था। निश्चय ही इसके लिए आईईयू के प्रत्येक साथी असंख्य अभिनंदन के पात्र हैं।

विहंगम रैली : 11 दिसंबर 2022 से 14 दिसंबर 2022 तक चले इस महाधिवेशन का आरंभ एक शानदार रैली से हुआ, जिसमें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की 8 मंडलीय इकाइयों के प्रतिनिधियों, प्रेक्षकों, कार्यकर्ताओं के अलावा इंदौर मंडल की सभी शाखाओं और भोपाल के 100 से अधिक साथियों सहित लगभग 850 से अधिक सदस्यों ने शिरकत की। सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन के संस्थापक अध्यक्ष कामरेड सुधाकर उर्ध्वरेषे सहित समस्त पदाधिकारियों के नेतृत्व में यह रैली भारतीय जीवन बीमा निगम के मंडल कार्यालय से प्रारंभ होकर इंदौर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए लगभग 4 किलोमीटर की दूरी तय कर सम्मेलन स्थल पंजाबी अरोड़वंशीय धर्मशाला, अरोरा भवन पहुंची।

ध्वजारोहण : सीजेडआईईए के अध्यक्ष **कामरेड एन. चक्रवर्ती** ने गगनभेदी नारों के बीच संगठन का ध्वज फहराया, इसके पश्चात रैली में शामिल अतिथियों एवं प्रत्येक सदस्यों ने शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की और शहीदों को मौन श्रद्धांजलि अर्पित की।

उद्घाटन सत्र : हमारे वरिष्ठ साथी और दिवंगत **काम. ए.के. लाल नगर** तथा **काम. सरवर अंसारी** व **काम. जी.सी. सोमानी** को समर्पित भव्य मंच पर उद्घाटन सत्र प्रारंभ हुआ, जिसकी अध्यक्षता सीजेडआईईए के अध्यक्ष **कामरेड एन. चक्रवर्ती** ने की। स्वागत समिति के अध्यक्ष इंदौर के वरिष्ठ अधिवक्ता **काम. बाबूलाल नागर** द्वारा उद्घाटनकर्ता **कामरेड अशोक धवले**, अध्यक्ष ऑल इंडिया किसान सभा एवं मुख्य अतिथि **कामरेड अमानुल्ला खान**, पूर्व अध्यक्ष ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन सहित समस्त पदाधिकारियों का पुष्पमाला, पुष्पगुच्छ और बैज के द्वारा स्वागत और सम्मान किया गया। इंदौर मंडल के साथियों द्वारा शानदार स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात स्वागत समिति के अध्यक्ष नगर के प्रसिद्ध वकील काम. बी.एल. नागर द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। जिसमें उन्होंने इन्दौर का इतिहास, शहर से जुड़े नामी व्यक्तियों एवं काम. बालाजी टोकेकर के योगदान का जिक्र किया तथा इंदौर के ट्रेड यूनियन इतिहास के विषय में जानकारी देते हुए आशा व्यक्त की कि सीजेडआईईए का इंदौर में आयोजित यह सम्मेलन मेहनतकशों के हितों के खिलाफ जो विनाशकारी नीतियां चल रही हैं ,उसका विरोध करने और सांप्रदायिक ताकतों के षड़यंत्र को उजागर कर मेहनतकशों की एकता को अधिक से अधिक मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। सीजेडआईईए के अध्यक्ष कामरेड एन. चक्रवर्ती ने अपने अध्यक्षीय भाषण में मेहनतकशों और बीमा कर्मचारियों के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का जिक्र करते हुए उनका पूरी शिद्दत से मुकाबला करने के लिए तैयार रहने का आव्हान किया। सीजेडआईईए के महासचिव द्वारा शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात सदन ने इस अवधि में दिवंगत सभी साथियों को अपनी मौन श्रद्धांजलि अर्पित की।

महाधिवेशन के उद्घाटनकर्ता **काम. अशोक धवले** ने अपने उद्बोधन में सम्मेलन स्थल व रैली में महिलाओं की अच्छी संख्या में उपस्थिति की सराहना करते हुए कहा कि जिस संघर्ष में महिलाओं की बराबर की भागीदारी होती है, उसको विजय से कोई रोक नहीं सकता। लगभग 13 माह तक चले किसान आंदोलन में एआईआईईए के योगदान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मजदूर-किसान की एकता के समक्ष सरकार को झुकना पड़ा और किसान विरोधी कानून उन्हें वापस लेना पड़ा। एलआईसी के निजीकरण के प्रयासों का पुरजोर विरोध करते हुए एआईआईईए के संघर्ष के साथ संपूर्ण एकता का उन्होंने इजहार किया। निजीकरण की सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि लाभ देने वाले उद्यमों को निजीकृत किया जा रहा है, लाभदायक रेलवे रुट, एयरपोर्ट निजी हाथों को दिए जा रहे हैं। करोना के समय विदेशों में फंसे नागरिकों को लाने वाले एयर इंडिया को निजी हाथों में दे दिया गया है अब भारत सरकार की अपनी कोई एयर लाईन नहीं है। पब्लिक सेक्टर के बीएसएनएल को कमजोर कर जियो को आगे बढ़ाया गया। कोरोना काल में हमने देखा केवल सरकारी अस्पतालों के कर्मचारी सेवा दे रहे थे, जहां स्थानों की कमी हो गई थी जबकि निजी अस्पताल लूट में लगे हुए थे। शिक्षा का निजीकरण और सांप्रदायिकीकरण हो रहा है। जहां 1 लाख से अधिक किसानों ने कर्ज

के चलते आत्महत्या कर ली वहीं दूसरी ओर सरकार पूंजीपतियों के 10 लाख करोड़ के कर्जे माफ कर देती है। 3 लाख करोड़ के विशाखापट्नम स्टील को 13 हजार करोड़ में अडानी को दे देते हैं। सरकार की नीतियों के चलते ही मंहगाई बढ़ रही है, भुखमरी में 121 देशों में हमारा स्थान 107 वां है। ऐसी हालत को बदलने का एक ही विकल्प है, भगतसिंह का अंतिम संदेश ''मजदूर-किसान का राज लाना होगा'' यही वह विकल्प है जिस पर हमें चलना होगा। इस संदेश के साथ उन्होंने महाधिवेशन का उद्घाटन किया।

बीमा कर्मचारियों के सर्वप्रिय नेता **काम. अमानुल्ला खान** ने अपने उद्बोधन में बीमा कर्मचारियों के सामने जो चुनौतियां हैं, उनकी विस्तार से जानकारी देते हुए उसका सामना करने के लिए तैयार होने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि एलआईसी की चिंता हमसे बेहतर और कोई नहीं कर सकता। सरकार तो एलआईसी को कमजोर करने की कोशिश में लगी हुई है। ऐसा माहौल बनाने की कोशिश हो रही है कि निजी कंपनियों के आने से एलआईसी समाप्त हो जाएगी, निजी कंपनियों के आने के 23 साल बाद अब एलआईसी का आईपीओ आना, यही कहने की कोशिश है। हमारा अधिकांश व्यवसाय अभिकर्ताओं के माध्यम से आता है, इसके खिलाफ अब एक अभिकर्ता को 3 पॉलिसी विक्रय करने के साथ ही जीवन ,स्वास्थ्य और आम बीमा विक्रय करने देने की योजना बनाई जा रही है। जब आईडीबीआई की स्थिति खराब थी, तो सरकार ने एलआईसी को उसका 51 प्रतिशत शेयर लेने को कहा और अब उसकी स्थिति हमारे प्रयासों के बाद अच्छी हो गई है तो उसे निजी हाथों में देने की योजना बना रहे हैं। निवेश भी सरकार के निर्देश पर हो रहे हैं। काम. अमानुल्ला खान ने कहा कि हम नई तकनीक स्वीकार करेंगे लेकिन इसके कारण किसी की नौकरी पर आंच नहीं आने देंगे। साथ ही नई भर्ती की मांग हमारे द्वारा की गई, वर्ग 3 की भर्ती के लिए प्रबंधन राजी हुआ किंतु सरकार की मंशा पर सवाल है क्योंकि वह हर क्षेत्र में संविदा कर्मचारी रख रही है। वर्ग 4 के पद तो सरकार समाप्त कर चुकी है, हमने उसमें भी भर्ती की मांग की है। वेतन पुनर्निर्धारण हेतु समय पर आंदोलन कार्यक्रम तय किया जायेगा। बैंकों में फैमिली पेंशन में वृद्घि स्वीकार करने वाली सरकार एलआईसी के लिए राजी नहीं हो रही है, हम इसे हासिल करके रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे देश की आर्थिक वृद्घि की चर्चा सरकार द्वारा लगातार की जाती है, किंतु यदि लोग भूख से मर रहे हों, रोगी को एम्बुलेंस तक न मिले तो ऐसी वृद्घि का क्या लाभ? सरकार और देश अलग-अलग हैं किंतु हमें यह बताने की कोशिश की जा रही है कि वह एक ही है। सरकार से सवाल करने पर देशद्रोह बताया जा रहा है। ऐसे समय में जब तक हम सभी मेहनतकशों, किसानों, आंगनबाड़ी कर्मी, आशाकर्मी, मध्यान्ह भोजनकर्मी के मुद्दे नहीं उठाएंगे तो अपने संघर्षों के खिलाफ उन्हें ही खड़ा कर दिया जाता देखेंगे। उन्होंने कहा, चुनौतियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, हम अपनी एकता से उनका सामना करेंगे। वो कितनी भी नफरत की बात करें, हम मोहब्बत ही बांटेंगे।

उद्घाटन सत्र को इंदौर के बिरादराना संगठनों की ओर से बीएसएनएल यूनियन के **काम. प्रकाश शर्मा** ने शुभकामनाएं दीं। सीजेडआईईए के महासचिव ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अतिथियों को आश्वस्त किया कि हर संघर्ष में सीजेडआईईए के प्रत्येक सदस्य अपनी पूरी भागीदारी दर्ज करेंगे और सरकार की मेहनतकश विरोधी नीतियों तथा हमारी एकता को तोड़ने की कोशिश करने वाली सांप्रदायिक ताकतों को परास्त करने तथा उद्योग की रक्षा के लिए अपना हर संभव योगदान निर्धारित करेंगे। उन्होंने विशाल जनरैली में शामिल समस्त साथियों का अभिनंदन भी किया। इसके साथ ही उद्घाटन सत्र की समाप्ति की घोषणा की गई। इस सत्र का संचालन काम. अजित केतकर, महासचिव आईईयू ने किया।

प्रतिनिधि सत्र - 12 दिसंबर 2022 को प्रतिनिधि सत्र प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें 316 प्रतिनिधियों एवं प्रेक्षकों ने शिरकत की । सत्र में सीजेडआईईए के महासचिव द्वारा कार्यकारिणी समिति की ओर से 96 पृष्ठ की रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया। रिपोर्ट पर 11 महिला साथियों सहित 46 सदस्यों ने बहस में भाग लेकर अपनी बात रखी और उसे समृद्घ किया। कोषाध्यक्ष काम. बी.के. ठाकुर ने 3 वर्षों की सीजेडआईईए व आंदोलन की खबर की ऑडिट रिपोर्ट पेश की। सदन ने इसे सर्वसम्मति से पारित किया।

अंतर्राष्ट्रीय परिस्थिति : सम्मेलन ने नोट किया कि विश्व स्तर पर नवउदारवादी नीति के प्रभाव से आर्थिक मंदी बढ़ रही है। करोना ने पूंजीवादी नवउदारवाद के अमानवीय चेहरे को पूरी तौर पर बेनकाब कर दिया है। इसने एक व्यवस्था के रूप में समाजवाद और पूंजीवाद के अंतर को स्पष्टता से रेखांकित किया है। सम्मेलन का यह दृढ़ मत था कि इस दौर में एक ओर चंद लोग खरबपति बन रहे थे तो दूसरी ओर नव उदारवादी नीतियों के कारण असमानता, गरीबी, भूखमरी और बेरोजगारी सभी जगह बढ़ी है, इसके कारण वैश्विक स्तर पर शोषण में भी वृद्घि हुई है। इससे उपजे लोगों के असंतोष को भुनाते हुए दक्षिणपंथी विभाजनकारी ताकतें उन्हें नस्लवाद अंधराष्ट्रवाद, धार्मिकता के नाम पर गोलबंद कर रही हैं। दक्षिणपंथी वैश्विक उभार में इसकी झलक दिख रही है। दूसरी तरफ हाल ही में विभिन्न देशों में हुए चुनावों में वामपंथी और प्रगतिशील ताकतों को भी सफलता मिल रही है जो मेहनतकशों के लिए एक सकारात्मक संदेश है। दुनिया भर में मेहनतकशों के संघर्ष भी तेज हुए हैं। सम्मेलन का विश्वास व्यक्त किया कि निश्चय ही आगामी दिनों में यह संघर्ष और तीखा होगा।

राष्ट्रीय परिस्थिति : सम्मेलन ने नोट किया कि नोटबंदी के कारण पहले से लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को कोविड-19 ने बुरी तरह प्रभावित किया। उससे देश में चरम बेरोजगारी और भूखमरी की स्थिति निर्मित हुई। प्रधानमंत्री ने स्वयं बताया कि 80 करोड़ लोगों को 5 किलोग्राम अनाज दे रहे हैं, यानि लोग गरीब हुए। उस पर सरकार ने रोजमर्रा के इस्तेमाल होने वाली चीजों पर जीएसटी लगा दिया है दूध, दही, पार्किंग, अस्पताल के कमरे, सार्वजनिक शौचालय और श्मशान कुछ भी अछूता नहीं रह गया है। कोरोना काल में हुई मौतों की संख्या की चर्चा ही क्या करें ? सरकारी आंकडे उपलब्ध नहीं है और अखबारों की सूचना को सरकार नकार देती है। आंकड़े नहीं है अत: मुआवजे का सवाल ही नहीं है। बेरोजगारी अभूतपूर्व है और इससे आत्महत्याएं भी बढ़ीं। ऐसे समय में ''आपदा में अवसर'' तलाशने की बात करते हुए सरकार ने एयरपोर्ट, एयर इंडिया, रेलवे सहित अनेक पब्लिक सेक्टर के उद्योगों को निजी हाथों में दे दिया। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। गरीब जनता को दी जाने वाली सुविधाओं में कमी कर दी गई। मनरेगा और उज्जवला योजना में आबंटन घटाना इसका उदाहरण है, किसानों के हितों के खिलाफ कानून लागू किया,

जिसके खिलाफ किसानों ने 1 वर्ष से अधिक समय तक लगातार आंदोलन किया तब सरकार ने कानून वापस लिया। इसी तरह श्रमिक हितों के खिलाफ और पूँजीपतियों के पक्ष में 29 श्रम कानूनों में परिवर्तन कर उसे श्रम संहिता में बदल दिया गया, उसके खिलाफ संघर्ष जारी है।

सरकार के संरक्षण में नागरिकों के बीच भेदभाव बढ़ रहा है। इसका असर स्वतंत्र निकायों पर भी पड़ रहा है,चाहे वह न्यायालय हो, चुनाव आयोग हो, ईडी हो, सीबीआई हो, आयकर हो या मीडिया। अपने निहित राजनैतिक हितों के लिए सांप्रदायिक घृणा के जहर भरे प्रचार ने देश की एकता के आधार और बुनियादी ताने-बाने के समक्ष ही संकट पैदा कर दिया है। इस पूरी ध्रुवीकरण की मुहिम का मकसद ही मजदूर-किसान वर्ग के संघर्ष की धार को कमजोर कर देश को तानाशाही की ओर धकेलने और पूंजीपतियों के पक्ष में सब कुछ सौंपने के मार्ग में विरोध को कुंद कर देना है। सम्मेलन का यह दृढ़ मत था कि देश के मजदूर वर्ग का इस विपरीत परिस्थितियों में भी निरंतर संघर्ष तीखा हुआ है किंतु आगामी दिनों में मजदूर-किसानों को इस वर्गीय आक्रमणों के खिलाफ अपनी वर्गीय एकता को सशक्त बनाने तथा सांप्रदायिकता व नवउदारवादी उदारीकरण दोनों के विरुद्घ समान रूप से संघर्ष विकसित करना होगा। सम्मेलन की यह स्पष्ट राय थी कि इस संघर्ष में बीमा कर्मी और एक नागरिक के रूप में दोहरी भूमिका की बजाय स्पष्ट रूप से निजीकरण की पक्षधर और मेहनतकशों की एकता को कमजोर करने वाली हर राजनीति को परास्त करने हमें अपनी भूमिका अदा करनी होगी।

एलआईसी की हिफाजत करो : सम्मेलन का यह मत था कि वर्तमान केन्द्र सरकार ने 5 करोड़ की आधार पूँजी से प्रारंभ हुए भारतीय जीवन बीमा निगम ने जब लगातार उन्नति की तो निजी कंपनियों के प्रति उदारवादी नीति अपनाने वाली इस सरकार ने पहले आधार पूंजी को बढ़ाकर 100 करोड़ किया, फिर तमाम प्रतिरोध के बाद भी 17 मई 2022 को उद्योग के 3.5 प्रतिशत शेयर का विनिवेश कर दिया। जब 23 प्रतिस्पर्धी कंपनियाँ सामने है तब भी एलआईसी ने पालिसी संख्या में 74 प्रतिशत से अधिक और प्रीमियम में 63 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर नियंत्रण बरकरार रखकर अपनी बादशाहत को बरकरार रखा है। एलआईसी विश्व बीमा उद्योग में अहम स्थान रखती है। ऐसे में निजी कंपनियों को लाभ देने के लिए सरकार और आईआरडीए ऐसे नियम और सुझाव लेकर आ रहे हैं जो एलआईसी को कमजोर करेंगे । इसी तरह इसी अवधि में बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत कर दिया गया है। साधारण बीमा निगम के न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी और जीआईसी (री) का भी विनिवेशीकरण कर दिया गया है ।

सम्मेलन ने संपूर्ण शक्ति के साथ यह ऐलान किया कि आगामी दिनों में एआईआईईए के नेतृत्व में निरंतर संघर्ष करते हुए बीमाधारकों एवं देश हित में , देश की प्रगति के लिए बीमा उद्योग को सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग में बनाये रखने, अब और कोई विनिवेशीकरण नहीं हो, के लिए अपना व्यापक संघर्ष जारी रखना है। सम्मेलन ने प्रसन्नता के साथ नोट किया कि इस अवधि में अपने संघर्षो से ही हमने जीवन बीमा एक बार फिर बेहतरीन और आम बीमा में वेतन पुनर्निर्धारण हासिल किया है। यही नहीं इस अवधि में एआईआईईए की सतत पहल से गृह निर्माण ऋण में वृद्घि, समूह बीमा प्रीमियम में सुधार, शैक्षणिक ऋण में सुधार, हेल्थ चेक अप में सुधार, 5 दिवसीय कार्यालय दिवस, 5 दिवसीय अल्पावधि अर्जित अवकाश, वाहन अग्रिम में वृद्धि और ऐच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले कर्मचारियों के लिए भी समूह बीमा जैसी अनेक उपलब्धियाँ और सुविधाएं हासिल की हैं, आगामी दिनों में इन उपलब्धियों की रक्षा के लिए भी हमें संगठित रहना है।

संगठन को संगठित करो: सम्मेलन ने नोट किया कि 1 अगस्त 2022 से देय वेतन पुनर्निर्धारण के लिए मांग पत्र दिया जा चुका है, इसके साथ ही अनेक लंबित मुद्दों के समाधान और नई भर्ती के लिए संघर्ष के लिए हमें तैयार रहना है। सम्मेलन ने नोट किया कि इस बार मांगपत्र प्राप्त करने का संघर्ष विगत संघर्षों से कहीं अधिक कठिन होगा। सम्मेलन ने संगठनात्मक स्तर पर इस अवधि में प्राप्त हुए विभिन्न सुधारों और गतिविधियों की भी समीक्षा की। इस बीच में मध्य क्षेत्र में संगठन के विभिन्न गतिविधियों की चर्चा की गई। सीजेडआईईए की क्षेत्रीय कामकाजी महिला समन्वय समिति का सातवां सम्मेलन सतना में आयोजित हुआ, फिर एआईआईईए का पांचवां महिला सम्मेलन कोझिकोड में संपन्न हुआ था। महिलाओं की स्थिति पर विस्तार से दोनों सम्मेलनों में चर्चा हुई थी, इसे भी महाधिवेशन में रेखांकित किया गया। सम्मेलन ने एकमत से यह स्वीकार किया कि आज की मौजूदा स्थिति का मुकाबला मजबूत संगठन के बिना संभव नहीं है इसलिए संगठन की प्रत्येक स्तर की कमजोरी को दुरुस्त करने और सभी मंडलों में समान रूप से सक्रिय गतिविधियां संचालित करने, नये साथियों को संगठन के नेतृत्व में समाहित करने, हमें सक्रिय पहलकदमी करनी होगी। सम्मेलन का स्पष्ट मत था कि एआईआईईए की छतरी से किन्हीं भी कारणों से बाहर के साथियों को सभी पूर्वाग्रहों से परे मुख्यधारा के आंदोलन का हिस्सा बनाने, हमें पहल करनी होगी।

प्रतिनिधि सत्र को संबोधित करते हुए एआईआईईए के अध्यक्ष **काम. वी. रमेश** ने आईपीओ के बाद उद्योग के समक्ष की चुनौतियों की विस्तार से जानकारी दी और साथियों से एकजुटता से इसका मुकाबला करने तैयार रहने का आव्हान किया। एससीजेडआईईएफ के महासचिव **काम. सी.रविन्द्रनाथ** ने भी सम्मेलन को शुभकामनाएं दीं और संगठन की एकता पर जोर दिया। सम्मेलन के प्रतिनिधि सत्र को क्षेत्रीय प्रबंधक **श्री प्रकाशचंद** ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विस्तार से उद्योग के समक्ष मध्य क्षेत्र के संदर्भ में उपस्थित चुनौतियों पर रौशनी डाली एवं सीजेडआईईए तथा एआईआईईए के सकारात्मक सहयोग की सराहना की।

सम्मेलन के दौरान एआईआईईए के संस्थापक सदस्य जीवित किवदंती बन गये **काम. चंदशेखर बोस** ने जीवन के सौ वर्ष पूर्ण किया, उन्हें महाधिवेशन की ओर से मुबारकबाद और शुभकामनाएं प्रेषित की गई। महासचिव द्वारा हमारी कमजोरियों और भावी जिम्मेदारियों को भी रेखांकित किया गया और कमजोरियों को दूर कर जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए संघर्ष के लिए तैयार रहने का आव्हान किया गया!

महाधिवेशन में निम्न प्रमुख निर्णय लिये गये :

1.- एआईआईईए सम्मेलन हेतु स्मारिका के लिए अधिकतम विज्ञापन एकत्रीकरण किया जाए। रायपुर एवं बिलासपुर इसमें अपनी परंपरा बरकरार रखने अधिकाधिक विज्ञापन एकत्र करने जुटेंगे।

2.- 19 जनवरी को एलआईसी के राष्ट्रीयकरण दिवस को हिफाजत दिवस के रूप में मनाया जाए ।

3. क्षेत्रीय स्तर पर शीघ्र एक ट्रेड यूनियन कक्षा भोपाल में आयोजित की जाए। इसके पूर्व मंडलों में भी यह आयोजित किए जाएं।
4. अभिकर्ताओं के लिए प्रतिस्पर्धा और उन्हें सक्रिय करने अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। एलआईसी है तो कहीं और क्यों ? अभियान जारी रखेंगे।
5. अभिकर्ताओं हेतु बीमा सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जाए।
6. भारत के लिए लोग मंच का पुनर्गठन किया जाए।
7. वार्षिक रिटर्न समय पर दाखिल किया जाए।
8. आंदोलन की खबर एवं इंश्योरेंस वर्कर की सदस्यता सतत रूप से बढ़ाने का अभियान चलाया जाए।
9. संगठन की छतरी से बाहर के लोगों को संगठन में लाने हेतु सार्थक पहल जारी रखी।
10. संगठन को हर मामले में और अधिक संगठित किया जाए।

महाधिवेशन में निम्न 18 प्रस्ताव भी पारित किये गये- (1)ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसिएशन को मान्यता दो (2) आर्थिक मोर्चे पर चौतरफा बदहाली के खिलाफ (3) बीमा कानून संशोधन विधेयक 2021 वापस लो (4) वेतन पुनर्निर्धारण का शीघ्र समाधान करो (5) सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार बहाल करो (6) एलआईसी में आईपीओ के खिलाफ (7) कृषि संकट पर (8) चारों. श्रम संहिताएं वापस लो (9) दलितों व अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों व सांप्रदायिकता के खिलाफ (10) महिलाओं पर बढ़ते हमलों के खिलाफ (11) बढ़ती महंगाई पर रोक लगाओ (12) गहरे रोजगार संकट पर (13) सार्वजनिक उद्योग में विनिवेश के खिलाफ (14) संवैधानिक संस्थाओं व प्रजातंत्र पर हमलों के खिलाफ (15) निगम में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी में नई भर्ती (16) नई स्पोर्ट्स नीति वापस लो (17) पुरानी पेंशन योजना बहाल करो (18) नगरनार के निजीकरण के खिलाफ।

सम्मेलन के अंत में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी समिति का चुनाव किया गया जिसमें निम्न साथी चुने गए-

अध्यक्ष *- काम. अजित केतकर, इंदौर* ***उपाध्यक्ष*** *- काम. बी. सान्याल, रायपुर, काम. ऊषा परगनिहा, भिलाई, काम. टी.पी. पाण्डे, सतना, काम. मुकेश भदौरिया, भोपाल,* ***महासचिव*** *- काम. डी.आर. महापात्र, रायपुर,* ***सहसचिव*** *- काम. पूषण भट्टाचार्य, काम. संदीप बेलेकर, भोपाल, काम. व्ही.एस. बघेल, काम. सुरेन्द्र शर्मा, रायपुर, काम. बृजेश सिंह, ग्वालियर, काम. राजेश शर्मा, बिलासपुर, काम. एस. दास, शहडोल, काम. हीरालाल कुशवाह, जबलपुर,* ***कोषाध्यक्ष*** *- काम. संदीप सोनी, रायपुर, सहकोषाध्यक्ष- काम. करण सोनकर, रायपुर,*

कार्यकारिणी समिति *- काम. अलेक्जेण्डर तिर्की, काम. ज्योति पाटिल, काम. अनुसुईया ठाकुर, काम. एस.के. लहरी, रायपुर, काम. संगीता झा, काम. रवि श्रीवास, काम. श्याम जायसवाल, बिलासपुर, काम. डी.एस. बघेल, काम. मोनिका अवस्थी, काम. राजेश द्विवेदी, सतना, काम. अब्दुल हाफ़िज़ खान, काम. संगीता मलिक, काम. मुकेश महोबिया, शहडोल, काम. विजय मलाजपुरे, काम. जे.डी. यादव, काम. वर्षा उमाठे, जबलपुर, काम. जे.पी. आर्या, काम. पूरन सिंह, काम. सुनीता सिंह, ग्वालियर, काम. तेजकुमार तिग्गा, काम. ओ.पी. डोंगरीवाल, काम. रजनी भारती, भोपाल, काम. अनिल सुरवड़े, काम. प्रशांत सोहले, काम. दीपिका सक्सेना, इंदौर।*

विशेष आमंत्रित सदस्य : काम. कलावती सुखदेव, इंदौर, काम. अलका गुप्ता, बिलासपुर, काम.शचि सोनी, शहडोल, काम. प्रीति नेगांधी, जबलपुर, काम. स्मृति कपूर, भोपाल।

सांस्कृतिक कार्यक्रम : सम्मेलन में दिनांक 12 एवं 13 दिसंबर को भव्य सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गई। 12 दिसंबर को दिग्गज कवि काम. दिनेश दिग्गज, कुलदीप रंगीला, मोना गुप्ता ने कवि सम्मेलन में शानदार प्रस्तुति दी उसके बाद हमारे साथियों ने समधुर गीत प्रस्तुत किए। 13 दिसंबर को मशहूर गायक महेश मोयल व उनकी उज्जैन की पूरी टीम ने शानदार रंगारंग प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने साथियों का मन मोह लिया।

आईईयू को असंख्य लाल सलाम : इंदौर के साथियों के अथक परिश्रम और दिन रात के अप्रतिम योगदान तथा साथियों को मिले अपार स्नेह ने इस 11वें सम्मेलन को एक यादगार सम्मेलन में तब्दील कर दिया। समूचे सम्मेलन ने अनगिनत करतल ध्वनि के साथ आईईयू, इंदौर के समस्त साथियों को क्रांतिकारी अभिनंदन प्रेषित किया।

आगामी अधिवेशन शहडोल में: सीजेडआईईए का आगामी 12वां महाधिवेशन एसडीआईईयू के तत्वावधान में शहडोल द्वारा आयोजित होगा। सम्मेलन समाप्ति के पश्चात शहडोल के साथियों को सीजेडआईईए का ध्वज सौंपा गया।

निवृत्तमान साथियों का अभिनंदन : सीजेडआईईए के महासचिव ने सम्मेलन में सीजेडआईईए के सचिव मंडल से निवृत्त हुए अध्यक्ष काम. एन. चक्रवर्ती, सहसचिव काम. अतुल देशमुख, काम. विजय मलाजपुरे, काम. मंजू शील, कोषाध्यक्ष काम. बी.के. ठाकुर, सहकोषाध्यक्ष काम. दिलीप भगत का संगठन को दी गई उनकी सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया। सीजेडआईईए के नवनिर्वाचित अध्यक्ष काम.अजीत केतकर ने सभी साथियों का शॉल से सम्मान किया। अंत में सीजेडआईईए के संस्थापक अध्यक्ष काम. एस.आर. उध्वरेषे का सीजेडआईईए के महासचिव ने शॉल से अभिनंदन किया।

साथियों, सीजेडआईईए के 11वें सम्मेलन ने फिर एक बार संपूर्ण आत्मविश्वास के साथ यह ऐलान किया है कि हम हर कीमत पर सार्वजनिक क्षेत्र के बीमा उद्योग और अपने रोजगार की हिफाजत करने वचनबद्ध हैं, इसके लिए निश्चय ही एक मजबूत संगठन और एक ट्रेड यूनियन के रूप में धर्म, जाति, भाषा से परे एक मजदूर-कर्मचारी के रूप में चट्टानी एकता का निर्माण हमें करना है, यही हमारी ताकत है। हमें विश्वास है कि मध्यक्षेत्र के समस्त साथी सीजेडआईईए के 11वें सम्मेलन के आव्हान को फलीभूत करने प्रत्येक स्तर पर जुटेंगे।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ...

आपका साथी

(डी.आर. महापात्र)

महासचिव